Roll No. : ..... Total Pages : 7

1642-R

Ist Year Arts Examination, 2018

SANSKRIT

Paper – II

(गद्य, व्याकरण एवं अनुवाद)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

(खण्ड-अ) [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-ब) [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-स) [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित सभी प्रश्न अनिवार्य हैं :

(इकाई–I)

(i) धनों में सर्वश्रेष्ठ धन किसे कहा गया है ?

(ii) पण्डितों की सभा में मूर्ख कैसा प्रतीत होता है ?

(इकाई–II)

(iii) 'परः सन्निकर्षः संहिता' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

(iv) दैत्यारिः में सूत्र निर्देशनपूर्वक संधि-विच्छेद बताइये।

(इकाई–III)

(v) सहयुक्तेऽप्रधाने सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

(vi) यथाशक्ति में ससूत्र निर्देशनपूर्वक समास-विग्रह कीजिए।

(इकाई–IV)

(vii) विद्वस् शब्द तृतीय विभक्ति का रूप लिखिए।

(viii) आत्मन् शब्द पंचमी विभक्ति का रूप लिखिए।

(इकाई–V)

(ix) 'हिमालय से गंगा निकलती है।' वाक्य का संस्कृतानुवाद कीजिए।

(x) 'शास्त्रों में दक्ष निपुण है।' वाक्य का संस्कृतानुवाद कीजिए।

खण्ड-ब

(इकाई–I)

2. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(i) मातृवत्परदारेषु परद्रव्येषु लोष्ठवत्।
आत्मवत्सर्वभूतेषु य: पश्यति स पण्डित:।।

(ii) उत्सवे व्यसने चैव दुर्भिक्षे राष्ट्रविप्लवे।
राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धव:।।

(iii) दुर्जन: परिहर्तव्यो विद्ययाऽलंकृतोऽपि सन्।
मणिना भूषित: सर्प: किमसौ न भयंकर:।।

(iv) अयं निज: परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।

(इकाई–II)

3. (i) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

(क) हलन्त्यम्।

(ख) नीचैरनुदात्त।

(ग) तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्।

(घ) सुप्तिङन्तं पदम्।

(ii) निम्नलिखित उदाहरणों में से किन्हीं **दो** की सुत्रनिर्देशनपूर्वक सिद्धि कीजिए :

(क) मध्वरि:।

(ख) उपैति।

(ग) पावक:।

(घ) श्रीश:।

(इकाई–III)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** का नामनिर्देशनपूर्वक समास-विग्रह कीजिए :

(क) निर्मक्षिकम्।

(ख) अधिहरि:।

(ग) अनुरूपम्।

(घ) घनश्याम:।

(ङ) राजपुरुष:।

(च) कृष्णाश्रित:।

(छ) पीताम्बर:।

(ज) शिवकेशवौ।

(झ) सप्तर्षि।

(ञ) द्विमूर्ध:।

(इकाई–IV)

5. निम्न शब्द रूपों में से किन्हीं **पाँच** के निर्देशानुसार वचन एवं विभक्ति रूप लिखिए :

(क) सर्व - (पुलिंग) षष्ठी, बहुवचन।

(ख) विश्व - (पुलिंग) तृतीया, एकवचन।

(ग) इदम् - (पुलिंग) चतुर्थी, एकवचन।

(घ) यत् - (स्त्रीलिंग) सप्तमी, बहुवचन।

(ङ) वधू - षष्ठी, बहुवचन।

(च) पितृ - तृतीय, एकवचन।

(छ) वाच् - द्वितीय, एकवचन।

(ज) विद्वस् - पंचमी, द्विवचन।

(झ) भवत् - (पुलिंग) पंचमी, एकवचन।

(ञ) धनुष् - प्रथमा, बहुवचन।

(इकाई–V)

6. निम्न में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का संस्कृतानुवाद कीजिए :

(क) विष्णु वैकुण्ठ में निवास करते हैं।

(ख) गाँव के दोनों ओर उद्यान हैं।

(ग) धन से हीन मनुष्य दु:खी रहता है।

(घ) दुर्जन सज्जन की निन्दा करता है।

(ङ) राजा ने ब्राह्मणों को धन दिया।

(च) कमलेश पानी से मुख धोता है।

(छ) पेड़ से पके हुए फल गिर रहे हैं।

(ज) गलती करना मनुष्य का धर्म है।

(झ) कृषक क्षेत्र से गाय को हटाता है।

(ञ) गंगा और यमुना हिमालय से निकलती हैं।

खण्ड-स

(इकाई–I)

7. हितोपदेश के मित्रलाभ में वर्णित पथिक-व्याघ्र कथा का सारांश लिखते हुए इससे मिलने वाली शिक्षा का उल्लेख कीजिए।

(इकाई–II)

8. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

(क) अदर्शनं लोपः।

(ख) आदिरन्त्येन सहेता।

(ग) इकोयणचि।

(घ) आद्गुणः।

(इकाई–III)

9. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

(क) साधकतमं करणम्।

(ख) षष्ठी हेतुप्रयोगे।

(ग) ध्रुवमपायेऽपादानम्।

(घ) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः।

(इकाई–IV)

10. निम्नलिखित शब्द-रूपों को लिखिए :

(क) वधू।

(ख) मातृ।

(इकाई–V)

11. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृतानुवाद कीजिए :

(क) फलों में आम उत्तम है।

(ख) घनश्याम आसन पर बैठता है।

(ग) आलसी को विद्या कहाँ ?

(घ) बालक सर्प से डरता है।

(ङ) प्रजापति से लोक उत्पन्न होता है।

(च) सज्जन पाप से घृणा करता है।

(छ) परोपकार के बिना जीवन निष्फल है।

(ज) शिष्य गुरु के साथ विद्यालय जाता है।

(झ) दुर्जन धर्म से आलस्य करता है।

(ञ) मुनि मोक्ष के लिए ईश्वर को भजता है।